पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

बालासाहेब के विचारों के CM शिंदे और राज ठाकरे ही असली वारिस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 65 ■ सोमवार, 20 मई 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

जिलाधिकारी व चुनाव अधिकारी

अशोक शिनगारे ने मतदान करने का किया आह्वान

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय व जिला जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से नागरिकों को तमाम उपाय योजना के तहत जागरूक करने का काम किया जा रहा है। वहीं समाज के तमाम लोगों को आमंत्रित कर जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन समिति सभागृह में जिलाधिकारी व चुनाव अधिकारी अशोक शिनगारे ने उपस्थित हुए लोगों को मतदान जैसे महत्वपूर्ण अधिकार का उपयोग करने के लिए कहा।

इस अवसर पर 24 कल्याण चुनाव क्षेत्र के केंद्रीय चुनाव निरीक्षक (सर्वसाधारण) मनोज जैन,चुनाव खर्च निरीक्षक डॉ. चित्तरंजन धनगडा माझी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी छायादेवी शिसोदे,अतिरिक्त जिलाधिकारी व आचार संहिता कक्ष नोडल अधिकारी विजयसिंह देशमुख, नियोजन विभाग सहसंचालक अमोल खंडारे,उपजिलाधिकारी (चुनाव) अर्चना कदम, ठाणे महानगरपालिका अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका अतिरिक्त आयुक्त मंगेश चितले, भिवंडी महानगरपालिका अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, मीरा भाईंदर महानगरपालिका उपायुक्त रवी पवार,उपजिलाधिकारी शरद पवार, ठाणे महानगरपालिका उपायुक्त उमेश बिरारी, कामगार उपायुक्त .पवार,जिला अग्रणी बँक जिला व्यवस्थापक .मंचाल, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी .संजय बागूल, sveep तहसिलदार स्मिता मोहिते, तहसिलदार भगत, प्रदीप कुडल सहित अन्य विभाग के अधिकारी, उद्योग, सामाजिक, शिक्षण, विविध हौसिंग सोसायटी अध्यक्ष, पदाधिकारी, प्रसारमाध्यम, तृतीय पंथीय, प्रतिनिधी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आज मतदान

चुनाव की तैयारियां पूरी

- उल्हासनगर में सबसे कम 251 मतदान केंद्र
- मुरबाड में सबसे ज्यादा 511 मतदान केंद्र
- जिले में 6604 मतदान केंद्र
- अंबरनाथ में 319 मतदान केंद्र
- अंबरनाथ में 3 लाख 53 हजार 554 मतदाता
- उल्हासनगर में 2 लाख 57 हजार 367 मतदाता

उल्हासनगर. ठाणे लोकसभा क्षेत्र के तीनों लोकसभा क्षेत्रों भिवंडी, कल्याण व ठाणे में चुनावी कर्मचारी द्वारा मतदान सामग्री कड़ी सुरक्षा के बीच बांटी गई है। जिलाधिकारी व जिला चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अशोक शिंगारे के मार्गदर्शन में ठाणे जिला प्रशासन ने मतदान सामग्री के वितरण और इसे मतदान केंद्रों तक ले जाने के लिए बहुत अच्छी योजना बनाई है। ठाणे जिले में 6604 मतदान केंद्रों पर होगी मतदान प्रक्रिया; 3325 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की जाएगी। ठाणे जिले के भिवंडी, कल्याण और ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में कुल 66 लाख 78 हजार 476 मतदाता 20 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। तीनों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए जिले में कुल 6604 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इसमें 36 मतदान केंद्र सोसायटियों के क्लब हाउस में होंगे।

लोकसभा आम चुनाव के मतदान के लिए ठाणे जिले में पुलिस और प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली गई है. जिले के तीनों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए कई सुविधाएं बनायी गयी हैं. जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इन सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल, शौचालय, छाया व्यवस्था, रैंप, व्हीलचेयर आदि की सुविधा उपलब्ध करायी गई है।

24 कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1960 मतदान केंद्र हैं जिनमें 140 - अंबरनाथ (एडी) - 319 मतदान केंद्र, 141 - उल्हासनगर - 251 मतदान केंद्र, 142 - कल्याण पूर्व - 321 मतदान केंद्र, 143 - डोंबिवली - 269 मतदान केंद्र, 144 - कल्याण पश्चिम - 406 मतदान केंद्र, 149 - मुंब्रा कलवा - 394 मतदान केंद्र।

जिले में कुल 18 मतदान केंद्रों का संचालन महिलाएं करेंगी. साथ ही 18 मतदान केंद्र दिव्यांगजन और 18 मतदान केंद्र युवा चलाएंगे.

कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र

कुल मतदाता - 20,82,800
पुरुष मतदाता-11,17,414
महिला मतदाता-9,64,021
तृतीय श्रेणी मतदाता-786
सेवा मतदाता-579

जिले में 66 लाख 78 हजार 476 मतदाता कर सकेंगे मतदान कुल 6604 मतदान केंद्र

ठाणे. ठाणे जिले के 23 भिवंडी, 24 कल्याण और 25 ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में कुल 66 लाख 78 हजार 476 मतदाता 20 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। तीनों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए जिले में कुल 6604 मतदान केंद्र बनाये गये हैं. रविवार को इस मतदान केंद्र पर सामग्री पहुंचाने का काम किया गया. जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक शिंगारे ने नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम जांचें और मतदान करने के लिए अपने मतदान केंद्रों पर जाएं. ठाणे जिले में 23 भिवंडी, 24 कल्याण और 25 ठाणे लोकसभा क्षेत्र हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार हैं.

मतदान केंद्र तैयार, वोटरों का इंतजार

- पुलिस का सख्त बंदोबस्त
- 50 से 55 प्रतिशत वोटिंग की संभावना
- वोटरों से अपील - वोट देने घर से बाहर निकलें

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के 319 मतदान केंद्र पर 20 मई की सुबह से मतदान शुरू हो रहा है. चुनाव सामग्री एवं सभी अधिकारी, कर्मचारी रात में ही मतदान केंद्र पर पहुंच गए हैं. पुलिस का भी तगड़ा बंदोबस्त रखा गया है. पुलिस की तरफ से ये आह्वान किया गया है कि मतदाता निर्भय होकर घर से निकलकर मतदान करें. वोटिंग स्लिप घर-घर जाकर चुनाव विभाग की ओर से 50 प्रतिशत वोटरों को नहीं दिया गया है. वुलन चाल, न्यू कालोनी, चिंचपाड़ा परिसर से कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं. वोटर स्लिप घर-घर देने में बीएलओ ने कोताही की है. जिसके कारण वोटिंग प्रतिशत पर असर पड़ सकता है. वैसे उम्मीदवारों की ओर से उनके कार्यकर्ता घर-घर जाकर उनका वोटर स्लिप देने का प्रयास किया है. मुख्य चुनाव आयोग ने अंबरनाथ के बीएलओ पर कार्रवाई करने की मांग की है. अंबरनाथ नपा के अति. मुख्याधिकारी अभिजीत पराडकर ने शहरवासियों से अपील की है कि मतदान करना आपका कर्तव्य है, आपकी जिम्मेदारी है. मतदान जरूर करें. आज सोमवार 20 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कर सकते हैं. स्लिप बांटने वाले बीएलओ से कहा गया है कि वह मतदान के पूरा दिन बूथ पर बैठककर मतदाताओं को वोटर स्लिप दें. कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 20 लाख मतदाता है. वोटिंग का प्रतिशत 50 से 55 प्रतिशत होने की संभावना बताई गई है. सैकड़ों वोटर बोरिया बिस्तर बांधकर गांव चले गए हैं. कइयों को स्लिप नहीं मिलने से वोटिंग प्रतिशत 50 से 55 प्रतिशत होगा.

विधानसभा अनुसार मतदाताओं की संख्या

140 - अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता-353661 (पुरुष मतदाता-189844, महिला मतदाता-163654, तृतीय श्रेणी मतदाता-56, सेवा मतदाता-107)।

141-उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता- 257477 (पुरुष मतदाता-139848, महिला मतदाता-117422, तृतीय श्रेणी मतदाता-97, सेवा मतदाता-110)।

142-कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता- 299518 (पुरुष मतदाता-159289, महिला मतदाता-139684, तृतीय श्रेणी मतदाता-407, सेवा मतदाता-138)।

143-डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता- 275172 (पुरुष मतदाता-143196, महिला मतदाता-131914, तृतीय श्रेणी मतदाता- 0, सेवा मतदाता-62)।

144-कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता- 453221 (पुरुष मतदाता-248124, महिला मतदाता-204902, तृतीय श्रेणी मतदाता-123, सेवा मतदाता-72)

149-मुंब्रा कलवा विधानसभा क्षेत्र
कुल मतदाता-443751 (पुरुष मतदाता-237113, महिला मतदाता-206445, तृतीय श्रेणी मतदाता-103, सेवा मतदाता-90)।

3325 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग

जिले के कुल 6604 मतदान केंद्रों में से 3325 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी. इसमें भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में 1107 मतदान केंद्र, कल्याण लोकसभा क्षेत्र में 991 मतदान केंद्र और ठाणे लोकसभा क्षेत्र में 1227 मतदान केंद्र शामिल हैं।

मतदान केंद्र व नाम ढूंढने के लिए एप का सहारा

उल्हासनगर. इस साल के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों ने प्रचार के लिए एआई, चैट जीटीपी की नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल किया है, लेकिन अब राजनीतिक दल इसी तकनीक के जरिए मतदाताओं की मदद करने जा रहे हैं। मतदान के दिन मतदाताओं को सूची में नाम कहां है और केंद्र कहां है यह पता करने के लिए होने वाली भागदौड़ को रोकने के लिए अब एप और कॉल सेंटर की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है.

भागदौड़ के युग में हर मतदाता दिन भर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता है, भले ही मतदाताओं के पास समय न हो। इसलिए इस बार के लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, विभिन्न मंत्रियों के दैनिक कार्यक्रमों, रैलियों, नागरिक सभाओं और सभाओं की सोशल मीडिया पर लाइव प्रस्तुति के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है. इसलिए इस बार के चुनाव में उम्मीदवार सोशल मीडिया और टेक्नोलॉजी पर काफी भरोसा कर रहे हैं. चूंकि मतदान में अब एक ही शेष रह गये हैं, ऐसे में चुनाव कर्मियों व प्रत्याशियों के पदाधिकारियों द्वारा मतदाताओं को मतपत्र बांटे जा रहे हैं. चूंकि ये मतपत्र कई मतदाताओं तक नहीं पहुंच सके, इसलिए मतदान के दिन, मतदान केंद्र, नाम खोजने की सुविधा, नेताओं की भीड़ को देखते हुए, महत्वपूर्ण नेताओं और पदाधिकारियों को दूसरे के पास बुलाने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की योजना बनाई गई है. नाम और केंद्र की खोज करना एक कठिन काम हो सकता है। इसलिए मतदाताओं की असुविधा को दूर करने के लिए उम्मीदवारों से मतदाताओं का नाम और मतदान केंद्र का पता लगाने के लिए एक ऐप बनाया गया है.

उल्हासनगर शहर में राजनीतिक दलों ने मतदाताओं के लिए आठ से दस मोबाइल नंबर प्रकाशित कर कॉल सेंटर की सुविधा शुरू की है. तो, मतदान के दिन राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर मतदाता कैसे और कितनी प्रतिक्रिया देते हैं और इन गतिविधियों से मतदाताओं को कितनी मदद मिलती है, यह देखना होगा।

उल्हासनगर में 1255 अधिकारी-कर्मचारी तैनात

उल्हासनगर. 20 तारीख को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 251 मतदान केंद्र तैयार किये गये हैं. तदनुसार, 1255 अधिकारी और कर्मचारी इन सामग्रियों के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए और प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पुलिसकर्मी तैनात कर दिया है और मतदान केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया है। यह जानकारी सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी व जिलाधिकारी विजयानंद शर्मा ने दी है. इस अवसर पर तहसीलदार कल्याणी मोहिते, अक्षय ढाकने, मनपा जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले उपस्थित थे.

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख, 57 हजार 367 पुरुष मतदाता, 1 लाख 39 हजार 848 महिला मतदाता, 1 लाख 17 हजार 422 महिला मतदाता और 97 तृतीय श्रेणी मतदाता 1255 अधिकारी-कर्मचारी मतदान करा रहे हैं 251 केंद्रों पर प्रक्रिया इसके अलावा, मतदान केंद्र 212 विकलांगों के लिए बनाया गया है और मतदान केंद्र संख्या 89 महिलाओं के लिए गुलाबी मतदान केंद्र है।

चुनाव के लिए जिला स्वास्थ्य व्यवस्था भी तैयार

120 एंबुलेंस तैयार, 7000 प्राथमिक चिकित्सा किट और 20 हजार ओआरएच पैकेट वितरित

ठाणे. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन से चार दिनों तक ठाणे और मुंबई में गर्मी बढ़ेगी. इस बीच इन शहरों में सोमवार (20 तारीख) को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है. इसलिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान के लिए निकलने की अपील की है. मतदाताओं में भी खासा उत्साह है. इसलिए इतनी गर्मी में मतदाताओं की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मियों के लिए जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था खड़ी है. जिला स्वास्थ्य विभाग ने ठाणे के सभी मतदान केंद्रों पर 20 हजार पुलिस और 7 हजार प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएच पैकेट वितरित किए हैं।

ठाणे जिले के भिवंडी, कल्याण और ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में 15 हजार पुलिस बल तैनात हैं। पुलिस गर्मी की परवाह किए बिना अपनी ड्यूटी कर रही है. मौसम विभाग द्वारा ठाणे को दी गई हीट स्ट्रोक की चेतावनी के चलते ठाणे जिला स्वास्थ्य विभाग भी तैयार हो गया है।

ठाणे जिला सामान्य अस्पताल के मुख्य जिला चिकित्सक डॉ. कैलास पवार ने जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को तैयार रखा है. सामान्य अस्पतालों के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और नगरपालिका अस्पतालों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने ठाणे, भिवंडी और कल्याण लोकसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर सात हजार से अधिक प्राथमिक चिकित्सा किट भेजी हैं। इस किट में प्राथमिक उपचार के लिए आवश्यक सभी दवाएँ, पट्टियाँ, ओआरएच रखे जाते हैं। साथ ही जिला अस्पताल और नगर निगम की एंबुलेंस भी तैनात की गई हैं. इसके साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस को 20 हजार ओआरएच के पैकेट दिए गए हैं.

लोकसभा चुनाव कौन जीतेगा? इस विवाद के बाद मारामारी

- 3 ने मिलकर एक को किया घायल

अंबरनाथ. अंबरनाथ विमको नाका की एक टाइल दुकान में लोकसभा चुनाव कौन जीतेगा? इस पर कुछ लोगों की चर्चा चल रही थी कि वहां उपस्थित एक बिल्डर ने ये कहा कि 4 जून को मालूम पड़ेगा कि कौन जीतेगा? इस पर बहस बढ़ गई. चर्चा कर रहे तीन लोगों ने बिल्डर को हाथ, बुक्के और धातु के कड़े से इतना मारा कि वह घायल हो गया है. अंबरनाथ पुलिस में कल्याण आधारवाड़ी निवासी बिल्डर रीतेश जयकुमार वोरा (43) ने अजहर और उनके तीन साथियों के खिलाफ दफा 324, 323, 504, 506 (2) के अनुसार अपराध दर्ज कराया है. वोरा ने पुलिस को दिए गए अपने बयान में कहा है कि वह 17 मई शुक्रवार को दोपहर में वह अपने निचजी काम से के. बी. रोड नेताजी मार्केट स्थित भैरवनाथ एंटरप्राइजेस टाइल्स शॉप में आए हुए थे. दुकान मालिक सुनिल और उनके दो पहचान के मित्र अजहर और उमेश राजनीतिक चर्चा कर रहे थे. वोरा ने अजहर से कहा कि चार जून को पता चलेगा कि कौन जीतेगा. गलती ने वोरा का हाथ अजहर को लग गया. रोष में आकर अजहर और उसके तीन साथियों ने वोरा को बुक्के से मारकर गालीगलौज करना शुरू कर दिया. तीन साथियों में से एक ने हाथ में पहने हुए धातु के कड़े से वोरा के सर पर मारकर उन्हें घायल कर दिया और कहा कि फिर से मेरे एरिया में दिखा तो तुझे छोड़ंगा नहीं जान से मार डालूंगा. ऐसी धमकी दी. उप निरीक्षक कैलाश गोपाल मामले की जांच कर रहे हैं.

3 सीटें, 79 उम्मीदवार, 7 प्रमुख प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर

ठाणे. लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और आज ठाणे जिले में मतदान हो रहा है. पांचवें चरण में, ठाणे जिले के ठाणे, कल्याण और भिवंडी लोकसभा क्षेत्रों से संसद में प्रवेश के लिए 79 उम्मीदवार मैदान में हैं। सात प्रमुख प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर है. तीन निर्वाचन क्षेत्रों में महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच सीधा मुकाबला है, लेकिन दो स्थानों पर शिवसेना के दोनों समूहों के उम्मीदवार एक-दूसरे के सामने हैं। इन सभी की किस्मत सोमवार (20 तारीख) को मतदाता वोटिंग मशीन में कैद कर देंगे.

■ ठाणे में अस्तित्व की लड़ाई

ठाणे लोकसभा क्षेत्र में 24 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इसमें शिव सेना शिंदे गुट के नरेश म्हस्के और शिव सेना ठाकरे गुट के मौजूदा सांसद राजन विचारे के बीच सीधा मुकाबला है. यह लड़ाई अस्तित्व और सम्मान की मानी जाती है। ये दोनों उम्मीदवार मूल रूप से शिवसैनिक हैं और कभी एक साथ काम करते थे; लेकिन शिवसेना में दो गुटों के विभाजन के बाद दोनों एक-दूसरे के कट्टर विरोधी बन गए हैं. क्षेत्र में कुल 25 लाख सात हजार 372 मतदाता हैं. यहां 51 फीसदी मराठी और बाकी अन्य भाषी मतदाता हैं. इस चुनाव को सत्ता के तीर-कमान बनाम मशाल के रूप में चित्रित किया गया है।

■ कल्याण में लग सकती है सांसद की हैट्रिक

कल्याण लोकसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 28 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. इसमें शिव सेना शिंदे गुट के उम्मीदवार वर्तमान सांसद डॉ. मुख्य मुकाबला श्रीकांत शिंदे और शिवसेना ठाकरे की वैशाली दरेकर-राणे के बीच है। आम चुनाव के मद्देनजर ठाकरे समूह के पास मौजूद कुछ पदाधिकारियों की ताकत भी कमजोर हो गई है. ऐसे में एक तरफ जोरदार प्रचार और दूसरी तरफ प्रचार में कार्यकर्ताओं के कमजोर होने की स्थिति यहां देखने को मिली. सांसद डॉ. शिंदे का दावा है कि इस चुनाव में अब तक मिले वोटों का रिकार्ड टूट जायेगा. दूसरी ओर, ठाकरे समूह ने महिला कार्ड खेलकर महिला मतदाताओं की सहानुभूति के साथ वोट हासिल करने की कोशिश की है.

■ सोशल मीडिया के माध्यम से भी मतदान के प्रति जन जागरूकता

जहां राजनीतिक दल अपना वोट शेयर बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं सरकारी मशीनरी भी कुल वोट शेयर बढ़ाने के लिए प्रयासरत दिख रही है। होम वोटिंग और पोस्टल वोटिंग जैसी नवीन अवधारणाओं को लागू करने के बाद, सोशल मीडिया के माध्यम से मतदान के बारे में एक जन जागरूकता अभियान चलाया गया है।

■ भिवंडी में त्रिकोणीय टक्कर

भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में 27 उम्मीदवार मैदान में हैं. इसमें मुख्य मुकाबला महायुति के निवर्तमान सांसद कपिल पाटिल और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार सुरेश उर्फ बाल्या मामा म्हात्रे के बीच है; लेकिन इन दोनों को निर्दलीय उम्मीदवार निलेश सांबरे से चुनौती मानी जा रही है. चुनाव प्रचार के आखिरी दस दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कपिल पाटिल के लिए चुनावी सभा की. शरद पवार ने तीन बैठकें कीं. बताया जा रहा है कि आखिरी दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठक कर बाजी पलट दी है.

■ 45 निर्दलीय, 13 महिला उम्मीदवार

79 उम्मीदवारों में से छह उम्मीदवार प्रमुख दलों से हैं। इसमें शिव सेना शिंदे गुट से दो, ठाकरे गुट से दो, भाजपा से एक और राष्ट्रवादी शरद पवार गुट से एक उम्मीदवार हैं। इसके अलावा 45 उम्मीदवार निर्दलीय हैं और बाकी सपा, एमआईएम, भीम सेना आदि छोटी पार्टियों से हैं। इनमें 13 महिला उम्मीदवार भी हैं. अब तक के चुनाव इतिहास में एक भी छोटे या निर्दलीय उम्मीदवार को अपेक्षित सफलता नहीं मिली है. हालाँकि, प्रत्येक उम्मीदवार को 500 से 3000 वोट मिले हैं। इसलिए देखना होगा कि इन निर्दलियों के खाते में जाने वाले वोटों का असर किस पर पड़ेगा.

■ 3 सांसद हैट्रिक की दहलीज पर

ठाणे, कल्याण और भिवंडी के तीन लोकसभा क्षेत्रों में मौजूदा सांसद कपिल पाटिल, राजन विचारे, डॉ. श्रीकांत शिंदे तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं. ये तीनों सांसद हैट्रिक के करीब हैं और देखने वाली बात ये होगी कि मतदाता इन्हें तीसरी बार संसद में जाने का मौका देंगे या नहीं.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

महानगरों में बिलबोर्डों का गिरना

मुंबई में सोमवार को आई तेज आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान कई लोगों की मौत को किसी हादसे की तरह ही देखा जाएगा। मगर सच यह है कि इसके पीछे संबंधित महकमों की बहुस्तरीय लापरवाही मुख्य वजह है। विडंबना यह है कि ऐसे हादसों की वजहें जगजाहिर होती हैं, मगर उसकी ओर से आंखें मूंद ली जाती हैं और मामला जब तूल पकड़ लेता है तब अफसरों की नींद खुलती है। वरना क्या वजह है कि जहां बारिश-तूफान से बचने के लिए या किसी अन्य मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो सकते हैं, वहां ऐसे विशाल होर्डिंग लगाने की छूट दी जाए, जो तेज आंधी में गिर जा सकता था।

गौरतलब है कि मुंबई में धूलभरी आंधी के दौरान घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा सौ फुट से ज्यादा लंबा बिलबोर्ड गिर गया। वहीं खड़े सौ से ज्यादा लोग उसकी चपेट में आ गए, जिनमें चौदह लोगों की मौत हो गई और चौहत्तर घायल हो गए। प्रथम दृष्टया इस हादसे की वजह तेज आंधी को कहा जा सकता है। मगर केवल बिगड़े मौसम पर इसकी जिम्मेदारी नहीं थोपी जा सकती।

हैरानी की बात यह है कि मुंबई में एक मुख्य जगह पर लगे इस होर्डिंग को बाद में अवैध बताया गया, जिसे लगाने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। विचित्र है कि मुंबई जैसे महानगर में, जहां किसी इलाके में फुटपाथों तक पर लगने वाली दुकानों के वैध-अवैध होने के बारे में प्रशासन को पूरी जानकारी रहती हो, वहां सौ फुट से ज्यादा ऊंचा होर्डिंग खड़ा था और उसके अवैध होने के बारे में जानकारी हादसे के बाद सामने आई।

अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के दौरे के बाद शहर में सभी होर्डिंगों के संरचनात्मक आडिट का आदेश दिया गया है, बृहन्मुंबई महानगर पालिका राजकीय रेलवे पुलिस की जमीन पर लगे बाकी सभी होर्डिंग को हटाएगी और पुलिस ने होर्डिंग के मालिक पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। शहरों-महानगरों में हर तरफ अवैध होर्डिंग खतरनाक तरीके से खड़े दिख जाते हैं। मगर समूचे प्रशासन के स्तर पर सक्रियता आखिर किसी हादसे और उसमें लोगों के मारे जाने के बाद ही क्यों दिखाई देती है? अगर संबंधित महकमों ने समय रहते अपनी ड्यूटी और जिम्मेदारी के प्रति ईमानदारी बरती होती तो शायद इस हादसे को रोका जा सकता था।

नेहरू और सरदार पटेल की जुगलबंदी

हम भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि की 60वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। यहां मैं नेहरू जी के राजनीतिक जीवन के एक प्रमुख पहलू, सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ उनके रिश्तों पर बात करना चाहता हूं। इन दोनों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। दोनों के बीच वैसी ही असहमति थी, जैसे कि एक साथ काम करने वाले दो व्यक्तियों के बीच अक्सर होती है। दोनों के बीच असहमति के बावजूद पूरी तरह एक साझेदारी नजर आती है, जिसमें दोनों की अलग-अलग ताकत एक साथ मिलकर उस धरती की सेवा में लग जाती है, जिससे वे दोनों प्यार करते थे। इस आपसदारी को नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी दलों द्वारा पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया, जो नेहरू को नीचा दिखाने और पटेल को ऊपर उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।

जब अंग्रेज हम पर शासन कर रहे थे, नेहरू और पटेल ने भारतीय समाज के ज्यादातर वर्गों को मिलाकर कांग्रेस के रूप में एक जनसंगठन बनाया था। दोनों ने कई साल जेल में बिताए। यही नहीं, स्वतंत्र भारत की कैबिनेट में दोनों ने साथ-साथ काम किया। नेहरू ने इस बात का ख्याल रखते हुए कि महिलाओं को धार्मिक और भाषाओं के आधार पर पिछड़े या अल्पसंख्यकों को समान अधिकार मिलें, भारत के भावनात्मक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित दिया। उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित बहुदलीय लोकतंत्र की जोरदार वकालत की। पटेल ने क्षेत्रीय एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया और रियासतों को एक साथ लाए। उन्होंने सिविल सेवाओं में सुधार और संविधान पर आम सहमति बनाने में

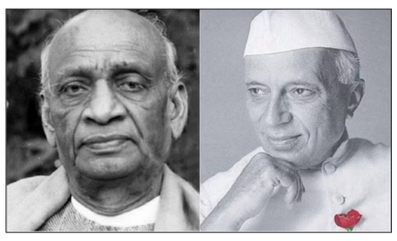

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सही मायनों में यहां पर नेहरू के परिवार की गलती थी। जनवरी 1966 में नेहरू के उत्तराधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री बने लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु मात्र इकसठ साल की आयु में हो गई। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने शास्त्री के उत्तराधिकारी के रूप में इंदिरा गांधी को यह सोचकर चुना कि वे उन्हें अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी ने पार्टी पर अपना अधिकार जता दिया। उन्होंने प्रिवी पर्स को हटाने तथा बांग्लादेश की लड़ाई में नेतृत्व क्षमता को दिखाया और पार्टी पर पूरी तरह नियंत्रण कर उसे एक पारिवारिक पार्टी बनाने की ठान ली। श्रीमती गांधी राष्ट्र के निर्माण में वल्लभभाई पटेल के योगदान से अनभिज्ञ नहीं थीं, फिर भी उन्होंने अपने पिता के नाम को ऊपर उठाने की पूरी कोशिश की। इसके लिए उन्होंने एक विश्वविद्यालय का नाम भी नेहरू के नाम पर रखा। जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, उस समय पटेल और अन्य नेताओं के बजाय नेहरू का महिमामंडन ज्यादा किया गया और 1989 में नेहरू के जन्म शताब्दी समारोह के लिए राज्यों द्वारा प्रायोजित तमाशे किए गए। उसी समय राजीव गांधी ने मां इंदिरा को अपने नाना के बराबर जगह देने के लिए राजधानी के हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर रखा। सोनिया गांधी ने 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद इस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया। पार्टी के इतिहास के बारे में जितनी उनकी समझ थी, उसके अनुसार वल्लभभाई पटेल और कांग्रेस के अन्य बड़े नेताओं- आजाद, कामराज, सरोजनी नायडू आदि के लिए उसमें कोई जगह नहीं थी। 2004 से लेकर 2014 के बीच कई बड़े प्रोजेक्ट्स के नाम राजीव गांधी के नाम पर रखे गए। उनके जन्म और मृत्यु की वर्षगांठ मनाने पर भी सार्वजनिक धन का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी को यह सिखाया गया होगा कि उनके यहां के.एस. हेडगेवार और एम.एस. गोलवलकर कितने पूजनीय हैं। भाजपा में मोदी से श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की प्रशंसा करने के लिए भी कहा गया होगा। शायद इसीलिए पटेल की प्रशंसा उन्होंने देर से शुरू की, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2012 के आसपास जब उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी, तब सार्वजनिक तौर पर पटेल की बातों को उठाना और तेज कर दिया। मोदी की देखा-देखी भाजपा ने भी पटेल की प्रशंसा शुरू कर दी। जैसा कि लेखक और जनसेवक गोपाल कृष्ण गांधी कहते हैं कि नेहरू के बाद की कांग्रेस ने पटेल को अस्वीकार कर दिया था, वहीं भाजपा ने उन्हें गलत तरीके से भुनाना शुरू कर दिया। हालांकि यह मोदी और भाजपा के लिए नेहरू को नापसंद करने का कारण हो सकता है, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि पूरी जिंदगी कांग्रेसी रहने वाला भाजपा की संपत्ति कैसे बन गया। मोदी और भाजपा ने जिस तरह नेहरू के सहयोगी पटेल का इस्तेमाल पहले प्रधानमंत्री की छवि को मिटाने के लिए किया, उससे आज अगर वल्लभभाई पटेल होते तो चकित रह जाते।

प्रेम इस संसार के बाद भी कायम रहता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विस्थापन की समस्या दूर करने के लिए दीर्घकालिक समाधान करने की जरूरत

दुनिया भर में हर वर्ष लाखों लोग विस्थापित होते हैं और उन्हें अकथनीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मगर इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते विश्व में भी ऐसी ठोस पहलकदमी नहीं दिखाई देती जिसमें अपनी जड़ों से उखाड़ दिए गए लोगों के दुख पर गौर किया जा सके और एक दीर्घकालिक समाधान का रास्ता तैयार हो।

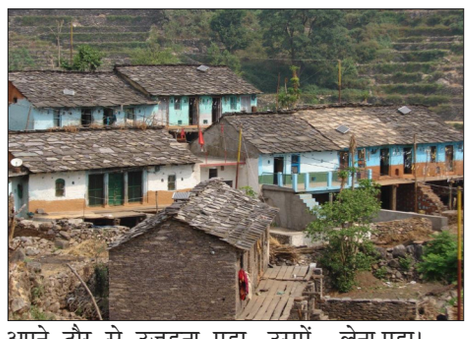

यह बेवजह नहीं है कि आज भी अलग-अलग देशों से बड़ी संख्या में लोग अपना घर-बार छोड़ कर दूसरी जगहों पर जाने पर मजबूर कर दिए जाते हैं। अक्सर आने वाली रिपोर्टों में इस समस्या की जटिलताओं की ओर ध्यान दिलाया जाता रहा है, लेकिन अब तक विस्थापन का सिलसिला बदस्तूर कायम है।

अब जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र यानी आइडीएमसी की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सन 2023 में दक्षिण एशिया में कुल उनहत्तर हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इसमें अकेले मणिपुर से सड़सठ हजार लोग विस्थापित हुए। यानी दक्षिण एशिया के सभी देशों में जितने लोगों को अपने ठौर से उजड़ना पड़ा, उसमें सत्तानबे फीसद लोग मणिपुर के हैं।

गौरतलब है कि सन 2018 के बाद यानी पिछले पांच वर्षों में भारत में हुआ यह सबसे बड़ा विस्थापन है। देश के अन्य इलाकों में जहां बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा और रोजी-रोटी जैसी वजहों से लोगों को दूसरी जगहों की ओर अपने जीने के रास्ते की खोज में निकलना पड़ा, वहीं मणिपुर में हुई व्यापक हिंसा ने वहां हजारों लोगों को विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया।

आइडीएमसी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि मार्च 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के संदर्भ में जो रुख जाहिर किया था, उसके बाद राज्य के बड़े हिस्से में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसमें करीब दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और इसकी वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ कर राहत शिविर या दूसरी जगहों पर शरण लेना पड़ा।

आज भी वहां स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। जाहिर है, एक साधारण विवाद से जो हालात पैदा हुए, उसके एक वर्ष बीत जाने के बावजूद उसे संभालने में सरकार अब तक नाकाम है और इसका खमियाजा हिंसक संघर्ष की वजह से बेठौर हुए लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

विश्व भर में ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है, जो बहुत मुश्किल से किसी जगह पर अपना ठिकाना और उनमें से कुछ लोग घर बनाते हैं। मगर इससे ज्यादा तकलीफदेह और क्या हो सकता है कि उन्हें वैसी वजहों के लिए उस जगह को छोड़ कर कहीं और जाना पड़ जाता है, जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं

असल जिंदगी में प्रकाश से भी तेज हो सकती है यात्रा!

जरा हट के

क्या आप प्रकाश की गति से भी तेज रफ्तार से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते हैं? यह पूछने पर आप शायद कहें कि यह तो साइंस फिक्शन की बात है! लेकिन नए शोध की माने तो, जो बाद अब विज्ञान फंतासी, या साई फाई मूवीज तक ही सीमित समझी जा सकती थी, वह वास्तव में संभव है. जी हां, जिस तरह स्टार ट्रैक जैसी मूवीज में इंसान केवल स्पेस को बिगाड़ कर एक जगह से दूसरी जगह पर जा सकता है, वैसा कुछ

वास्तविकता में कर प्रकाश से तेज गति से एक जगह से दूसरी जगह पर जा सकता है. आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, असल दुनिया में प्रकाश की गति से तेज गति से चलना संभव ही नहीं है. इसी वजह से, स्टार वार्स और अन्य विज्ञान कथा फिल्मों में अंतरिक्ष यान को शक्ति देने वाले वॉर्प ड्राइव, अब तक हमेशा से ही कल्पना के दायरे में रहे हैं. लेकिन अब वैज्ञानिकों ने वॉर्प ड्राइव तकनीक की विज्ञान-कल्पना को एक हकीकत में बदलने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है.

एप्लाइड फिजिक्स के डॉ. जेरेड फुच्स की अगुआई में क्लासिकल और क्वांटम ग्रेविटी जर्नल में प्रकाशित नया शोध, वॉर्प ड्राइव तकनीक को साकार करने की चुनौती में के लिए एक नया समाधान देता है. वॉर्प ड्राइव की पारंपरिक विज्ञान-कल्पना में स्पेसटाइम को एक बहुत ही खास तरीके से विकृत किया जाता है या बिगाड़ा जाता है. जिससे किसी वाहन से एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचने के बजाय दूर की जगह को ही स्पेस विकृत कर पास ला दिया जाता है जिससे व्यक्ति तुरंत वहां पहुंच सकता है.

सिद्धांत रूप में, यह तकनीक यान को प्रभावी ढंग से प्रकाश से भी तेज यात्रा करने की अनुमति देगा और इसके लिए स्थानीय स्तर पर गति सीमा को पार करने की भी जरूरत नहीं होगी. एप्लाइड फिजिक्स के शोधकर्ताओं ने एक नए तरीके की पहचान की है जिसमें वार्प तकनीक एक दिन संभव हो सकती है. टीम ने सापेक्षता के सिद्धांतों के अनुरूप "निरंतर-वेग सबल्यूमिनल वार्प ड्राइव" की अवधारणा पेश की.

टेस्टी पिंक सॉस पास्ता

पास्ता कई तरीकों से बनाया जाता है, जैसे- रेड सॉस पास्ता, व्हाइट सॉस पास्ता आदि। लेकिन इन सभी में पिंक सॉस पास्ता लोगों को काफी पसंद आता है। आज हम आपको इसी की रेसिपी बताने वाले हैं।

सामग्री :

- 1 कप पास्ता पेनी
- 1 पीली शिमला मिर्च
- नमक आवश्यकतानुसार
- 1 1/2 बड़ा चम्मच मैदा
- 1 चम्मच अजवायन
- 2 पनीर के टुकड़े
- 1 बड़ा चम्मच वनस्पति तेल
- 1 बड़ा प्याज
- 1 कप टमाटर प्यूरी
- आवश्यकतानुसार काली मिर्च
- 1 कप दूध
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 2 बड़े चम्मच मक्खन
- 2 बड़े चम्मच टमाटर केचप

विधि :

एक बर्तन में पास्ता डालें। आवश्यकतानुसार पानी और नमक डालकर मध्यम आंच पर रखें। पास्ता को 10-12 मिनट तक या पक जाने तक पकने दें। पक जाने पर, पानी

निकाल दें और पास्ता को तुरंत ठंडे पानी डालें। इसी बीच एक पैन में एक बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। इसमें कटा हुआ प्याज और शिमला मिर्च डालें। दो मिनट तक भूनें। अब इसमें टमाटर की प्यूरी, नमक डालें और अच्छी तरह मिला लें। पैन को ढककर 4-5 मिनिट तक पकने दीजिए। अब इसमें टमाटर केचप और लाल मिर्च पाउडर डालें। अच्छी तरह मिलाएं और एक तरफ रख दें। अब एक अलग पैन में मक्खन गर्म करें। इसे पिघलने दीजिए और इसमें मैदा डाल दीजिए। अच्छे से मिलाएं और मिश्रण को तब तक भूनते रहें जब तक उसका रंग सुनहरा न हो जाए। अब इसमें आधा कप दूध डालें और लगातार चलाते रहें। एक मिनट तक पकाएं। अब बचा हुआ दूध डालें और किसी भी गांठ से छुटकारा पाने के लिए व्हिस्कर या कांटे से मिलाएं। अंत में, नमक, अजवायन डालें और सॉस को एक तरफ रख दें।

अब सफेद सॉस को लाल सॉस पैन में डालें और दोनों सॉस को एक साथ मिला लें। पके हुए पास्ता को पैन में डालें और धीरे-धीरे मिलाएं ताकि यह सॉस में अच्छी तरह से लिपट जाए। अंत में, कसे हुआ चीज से गार्निश करें और स्वादिष्ट पास्ता का आनंद लें।

भीषण गर्मी से किडनी हो सकती हैं फेल

- हृदय को गंभीर खतरा
- अध्ययन में बड़ा दावा

देशभर में तेजी से बढ़ती गर्मी-लू की स्थिति को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं तेज गर्मी और समय के साथ बढ़ते तापमान के दुष्प्रभाव सिर्फ हीटस्ट्रोक और बेहोशी तक ही सीमित नहीं हैं, शरीर के विभिन्न अंगों पर भी इसके नकारात्मक असर हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी से बचाव करते रहना सभी लोगों के लिए जरूरी है। जिन लोगों को पहले से ही डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी है उनके लिए बढ़ते तापमान के और भी गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि उच्च तापमान के संपर्क में आने से बचना जरूरी है। इससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव बढ़ सकता है, याददाश्त में खराबी हो सकती है, निर्जलीकरण के कारण ऊर्जा में कमी और बेहोशी जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। मस्तिष्क

से लेकर हृदय फेफड़ों, त्वचा और किडनी की सेहत भी प्रभावित हो सकती है। बढ़ते तापमान के कारण शरीर के विभिन्न अंगों पर किस तरह से नकारात्म असर हो सकता है, आइए जानते हैं?

■ मस्तिष्क की समस्या

वैज्ञानिकों का कहना है कि अधिक गर्मी के संपर्क में आने से भ्रम या स्मृति हानि जैसी संज्ञानात्मक शिथिलता का खतरा हो सकता है। शोध से पता चलता है कि यह कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को भी बिगाड़ सकती है।

■ फेफड़ों की कार्यक्षमता पर असर

तेज गर्मी में सांस लेने से फेफड़ों की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। पहले से ही फेफड़ों की समस्याओं के शिकार लोगों को गर्मियों में सूजन बढ़ने के साथ अस्थमा या सीओपीडी जैसी बीमारियों का खतरा हो सकता है।

■ हृदय पर असर

अत्यधिक गर्मी हृदय पर दबाव डालती है, जिससे उसे अधिक मेहनत करनी पड़ती है। यदि आपका हृदय प्रणाली शरीर के आंतरिक तापमान को ठीक से नियंत्रित नहीं कर पाता है तो गर्मी से थकावट या हीट स्ट्रोक होने का भी खतरा हो सकता है।

■ त्वचा पर असर

अत्यधिक गर्मी की स्थिति में त्वचा पर दाने हो सकते हैं। उच्च गर्मी और आर्द्रता की स्थिति में शरीर को खुद को ठंडा करने के लिए ठीक से पसीने का उत्पादन नहीं कर पाता है, जिससे त्वचा के लाल होने-गर्म होने के साथ तमाम प्रकार के त्वचा विकारों का जोखिम बढ़ सकता है।

■ किडनी रोगों का खतरा

यदि आप अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहते हैं और इसके कारण निर्जलीकरण के शिकार हो जाते हैं, तो इससे आपके किडनी की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। किडनी के लिए सामान्य रूप से अपशिष्टों को फिल्टर कर पाना कठिन हो जाता है, जिसके कारण कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के जोखिम बढ़ने का खतरा हो सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

- साल 1968 से 2023 के बीच दुनियाभर से प्रकाशित 332 पत्रों की समीक्षा करते हुए अध्ययन में स्ट्रोक, माइग्रेन, अल्जाइमर, मेनिनजाइटिस, मिर्गी और मल्टीपल स्केलेरोसिस सहित 19 विभिन्न तंत्रिका तंत्र स्थितियों पर नजर रखी गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि उच्च तापमान या हीटवेव के कारण स्ट्रोक के मामले बढ़ने, विकलांगता या मृत्यु का खतरा हो सकता है।
- इतना ही नहीं पहले से ही डिमेंशिया जैसी समस्याओं से पीड़ित लोग अत्यधिक तापमान के प्रति संवेदनशील होते हैं और दीर्घकालिक रूप से इसका मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर गंभीर असर हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

वृषभ : आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन : नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कर्क : आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

सिंह : कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। संतान की चिंता रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या : दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा। थकान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। सभी ओर से सफलता मिलेगी। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक : दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। विवाद से बचें। लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर : कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ : सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

मीन : आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

टॉन्सिल में सूजन से गले में तेज दर्द

- राहत पाने के लिए करें 6 घरेलू उपाय
- घंटेभर में मिलेगा आराम

कई बार हम टॉन्सिल में सूजन और दर्द को सिजनल चेंजेज का असर समझकर इग्नोर कर देते हैं, लेकिन अगर इसका सही वक्त पर इलाज ना किया जाए तो समस्या काफी तेजी से बढ़ सकती है.

टॉन्सिल की समस्या काफी कॉमन है लेकिन जब यह क्रॉनिक हो जाती है तो इसका एक मात्र इलाज सर्जरी रह जाता है. सर्जरी की स्थिति बनने से पहले अगर आप इसका सही केयर करें और कुछ घरेलू उपायों की मदद से गले में मौजूद टॉन्सिल के सूजन को कम करने का प्रयास करें तो काफी राहत मिल सकती है.

मेडिकलन्यूजटुडे के मुताबिक, टॉन्सिलाइटिस शब्द का अर्थ है टॉन्सिल में सूजन. गले मौजूद टॉन्सिल दो अंडाकार आकार की ग्रंथियां की होती हैं जो गले के पीछे मौजूद होती है. उसका काम नाक और मुंह से शरीर में प्रवेश करने

वाले बैक्टीरिया व वायरस से प्रोटेक्शन करना होता है. टॉन्सिलाइटिस की ज्यादातर समस्या वायरल संक्रमण के कारण होते हैं. वैसे तो टॉन्सिलाइटिस किसी को भी हो सकता है लेकिन बच्चों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है.

गर्म पानी पिएं: जहां तक हो सके आप गुनगुना या गर्म पानी का सेवन करें. इसके अलावा, आप सूप, चाय जैसी गर्म चीजों का सेवन करें. गर्म अदरक की चाय में शहद डालकर पीने से भी आराम मिलता है.

ठंडी चीजें खाएं पिएं: अगर गले में तेज दर्द हो रहा है तो आप ठंडी आइसक्रीम, फ्रोजेन दही, सॉफ्ट फूड आदि का सेवन कर सकते हैं, जिससे गले में नम्ब फीलिंग होगी और दर्द महसूस नहीं होगा. आप मिंट वाले ड्रिंक या स्मूदी भी पीकर राहत पा सकते हैं.

हार्ड चीजों को खाने से बचें: अगर आप चिप्स, क्रैकर्स, कच्चा गाजर, फल जैसे हार्ड चीजों को खाएंगे तो थ्रोट में दर्द बढ़ सकता है इसलिए ऐसी चीजों से बचें.

नमक पानी से करें गरारा: दर्द से तुरंत आराम चाहिए तो आप गुनगुने पानी में नमक डालकर गार्गल यानी गरारा करें. ऐसा करने से सूजन मे आराम मिलेगा.

घर में लगाएं ह्यूमिडिफायर: ड्राई माउथ की वजह से ड्राई माउथ की समस्या होती है और गले में जलन और सूजन हो जाता है. इससे बचने के लिए आप कूल मिंट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

डॉक्टर से करें संपर्क: इन सबके बावजूद अगर आराम ना मिल रहा हो तो आप डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी टेस्ट कराएं.

बॉडी नहीं हो रही हाइड्रेट

इन चीजों को मिलाकर पिएं पानी

भयंकर गर्मी पड़ने लगी है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी ना हो इसलिए हमेशा ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाती है। लेकिन ज्यादा पानी पीने के बाद फौरन पेशाब लग जाती है। तो इसका मतलब की शरीर पानी को अब्जॉर्ब नहीं कर रहा। उल्टे पानी के साथ शरीर के जरूरी मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट्स भी निकल जा रहे। ऐसे में जरूरी है कि पानी में कुछ चीजों को मिलाकर पिएं। जिससे जरूरी मिनरल्स पानी के साथ शरीर में जाएं और फायदा पहुंचाएं।

पसीना निकलने पर खोता है इलेक्ट्रोलाइट्स

वहीं जब गर्मी में ज्यादा पसीना निकलता है तो इससे इलेक्ट्रोलाइट्स यानी सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, क्लोराइड भी तेजी से खोने लगते हैं। जिसकी वजह से डिहाइड्रेशन होने लगता है और शरीर में ये लक्षण दिखने लगते हैं।

- सिर दर्द
- चक्कर
- बेहोशी
- मसल्स क्रैम्प

डिहाड्रेशन से बचने के लिए पानी में इन चीजों को मिलाकर पिएं। शरीर में पानी के साथ मिनरल्स अब्जॉर्ब हो इसलिए इन चीजों को मिलाकर पिएं

- सेंधा नमक
- नींबू
- अदरक का टुकड़ा
- शहद
- तरबूज के टुकड़े
- सौंफ

इनमे से किसी भी एक चीज को पानी में मिलाकर दो से तीन घंटे के लिए रख दें। फिर इस पानी को पिएं। ये शरीर में पानी के मिनरल्स को अब्जॉर्ब करने में मदद करेगा।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी पुलिस के सिपाही की करतूत, प्रेमिका को मौत के घाट उतार कुएं में फेंक दी लाश

कानपुर. कानपुर कमिश्नरेट पुलिस एक बार फिर दागदार हुई है। पुलिस लाइन में तैनात 50 साल के सिपाही ने साथी के साथ मिलकर 26 साल की प्रेमिका की हत्या कर डाली। फिर शव को ठिकाने लगाने अपने पैतृक गांव एटा ले गया और कुएं में फेंक दिया। इधर, बर्रा पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से वारदात का खुलासा कर हत्यारोपी सिपाही और उसके साथी को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रेमिका का शव 18 फरवरी को ही एटा में मिल चुका था।

साइंटिस्ट बताकर पर तय किया रिश्ता, फिर होटल बुलाकर लड़की से की हैवानियत

लखनऊ. लखनऊ के सरोजनीनगर कोतवाली में युवती ने आरडीएसओ के कथित वैज्ञानिक के खिलाफ दुराचार का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी ने मेट्रिमोनियल वेबसाइट पर प्रोफाइल बनाई थी। इसमें उसने खुद को वैज्ञानिक बताया। फिर एक युवती सम्पर्क में आयी तो उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुराचार किया। जानकीपुरम निवासी युवती ने रिश्ता तलाशने के लिए मेट्रिमोनियल वेबसाइटर पर आईडी बनाई थी। वर्ष 2023 में उसे अश्वनी कुमार वर्मा की आईडी से मैसेज मिला। अश्वनी ने आरडीएसओ में वैज्ञानिक होने का दावा किया। फिर रिश्ते की बात करने के लिए युवती को परिवार संग दिल्ली बुलाया। अश्वनी के छलावे में फंस कर परिवार वाले भी शादी के लिए राजी हो गए थे। चार अप्रैल को अश्वनी ने लखनऊ आकर युवती को फोन कर सरोजनीनगर स्थित एक होटल में बुलाया था। जहां आरोपी ने नशीला पदार्थ देकर रेप किया। विरोध करने पर जल्द शादी करने की बात दोहराई। पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक वीडियो बना रखी है। जिन्हें वायरल करने की धमकी दे रहा है। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरि ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

सिक्योरिटी के नाम पर डकारे लाखों

देवरिया. यूपी के देवरिया का रहने वाला 12वीं पास एक युवक ने अपनी अंगूठा टेक पत्नी के साथ मिलकर 20 से अधिक ग्रेजुएट लोगों को नौकरी के नाम पर ठग लिया। फर्जी संस्था में यूके के ऑनलाइन फीडिंग का काम बताकर उन्हें नौकरी पर रखकर छह महीने तक काम कराया। फिर सिक्योरिटी के नाम पर लिए गए लाखों रुपये डकार लिया।

मकान मालिक को भी उसने नौकरी दी थी। जब किराया और सेलरी नहीं मिली तो मकान मालिक को भी शक हो गया और उसने रामगढ़ताल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने दस लैपटॉप, कूटरचित छह नियुक्ति पत्र, प्रिंटर मशीन, फर्जी आईडी बरामद कर लिया। आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। आरोपी अमरनाथ सिंह और उसकी पत्नी सोनी सिंह देवरिया के गौरीबाजार के इन्दुपुर के रहने वाले हैं।

8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग आज

- राजनाथ, स्मृति समेत 9 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में
- राहुल रायबरेली से भी लड़ रहे

नई दिल्ली. 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार (20 मई) को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर वोटिंग होगी।

2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 32, शिवसेना ने 7, TMC ने 4 सीटें जीती थीं। कांग्रेस केवल यूपी की रायबरेली सीट जीत पाई थी। अन्य को 5 सीटें मिली थीं।

इस फेज में राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल समेत 9 केंद्रीय मंत्री मैदान में हैं। रायबरेली से वायनाड सांसद राहुल गांधी भी चुनाव लड़ रहे हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पांचवें फेज में 695 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 613 पुरुष और 82 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 12% हैं।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (ADR) के मुताबिक, इस फेज के 615 उम्मीदवारों में से 23% यानी 159 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 227 यानी 33% उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। केवल एक उम्मीदवार ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है।

इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं। उनके पास 212 करोड़ रुपए की संपत्ति है।

543 लोकसभा सीटों में चौथे फेज तक 380 सीटों पर मतदान हो गया है। 20 मई तक कुल 429 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 2 चरणों में 114 सीटों पर वोटिंग होगी।

159 कैंडिडेट्स पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज

ADR की रिपोर्ट के मुताबिक, 159 कैंडिडेट ऐसे हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 3 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 4 उम्मीदवारों पर हत्या और 28 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 29 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। एक उम्मीदवार के खिलाफ दुष्कर्म (IPC-376) से जुड़ा मामला दर्ज है। वहीं, 10 कैंडिडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं।

मानसून निकोबार पहुंचा, 31 मई को केरल आएगा

मध्य प्रदेश में 16 से 21 जून, राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक एंट्री

नई दिल्ली. भारतीय मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, मानसून अंडमान-निकोबार पहुंच गया है। 31 मई तक यह केरल पहुंच जाएगा। पिछले साल भी मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 19 मई को ही दस्तक दी थी, लेकिन केरल में 9 दिन देरी से 8 जून को पहुंचा था। इस साल मानसून सामान्य तारीख से पहले ही केरल में दस्तक दे सकता है। वैसे केरल में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है। घोषित तारीख में 4 दिन कम या ज्यादा होने की गुंजाइश रखी गई है। यानी मानसून 28 मई से 3 जून के बीच कभी भी आ सकता है। IMD के अनुसार, मानसून के मध्य प्रदेश में 16 से 21 जून और राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं यूपी में 18 से 25 जून और बिहार-झारखंड में 18 जून तक पहुंच जाएगा।

1972 में 18 जून को केरल आया था

IMD के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। बीते चार साल की बात करें तो 2020 में मानसून 1 जून को, 2021 में 3 जून को, 2022 में 29 मई को और 2023 में 8 जून को केरल पहुंचा था।

इस बार अच्छी बारिश का अनुमान

क्लाइमेट (जलवायु) के दो पैटर्न होते हैं, अल नीनो और ला नीना। पिछले साल अल-नीनो सक्रिय था, जबकि इस बार अल-नीनो परिस्थितियां इसी हफ्ते खत्म हुई हैं और संभावना बन रही है कि तीन से पांच हफ्तों में ला-नीना परिस्थितियां पैदा हो जाएंगी। पिछले साल अल-नीनो के समय सामान्य से कम 94% बारिश हुई थी। 2020 से 2022 के दौरान ला-नीना ट्रिपल डिप के दौरान 109%, 99% व 106% बारिश हुई थी।

एअर इंडिया एक्सप्रेस प्लेन के इंजन में आग

- कोच्चि जा रहा विमान इमरजेंसी लैंडिंग के लिए बेंगलुरु लौटा
- सभी 179 पैसेंजर सुरक्षित

बेंगलुरु. एअर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु से कोच्चि जा रही फ्लाइट (IX 1132) के इंजन में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई। इसके बाद फ्लाइट की बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। सभी 179 पैसेंजर्स और 6 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि टेक ऑफ के तुरंत बाद ही आग लग गई थी। रात 11:12 बजे लैंडिंग के बाद पैसेंजर्स को बाहर निकालने और दूसरी तरफ से आग बुझाने का काम साथ में किया गया।

घटना के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा- अभी तक की जांच के मुताबिक, आग फ्लाइट के राइट इंजन में लगी थी। लैंडिंग के वक्त ग्राउंड सर्विस ने भी लपटें देखीं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं लग पाया है।

एयरलाइंस ने कहा कि मामले की जांच के ऑर्डर दे दिए गए हैं। जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जाएगी। घटना को लेकर पैसेंजर्स को हुई दिक्कतों को लेकर हमें दुख है।

राहुल-अखिलेश की सभा में हंगामा

- दोनों मंच छोड़कर गए
- प्रयागराज में समर्थकों ने सुरक्षा घेरा तोड़ा
- पुलिस से धक्का-मुक्की; कई समर्थक घायल

प्रयागराज. प्रयागराज के फूलपुर में रविवार को राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रैली में हंगामा हो गया। राहुल-अखिलेश के मंच पर पहुंचते ही समर्थक बेकाबू हो गए। उन्होंने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया। मंच की

तरफ बढ़ने लगे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की की। पुलिस ने लाठी चलाई तो वहां भगदड़ जैसे हालत हो गए। कई समर्थक चोटिल हो गए।

मंच पर बैठे अखिलेश ने समर्थकों से शांत रहने की अपील की, लेकिन किसी ने उनकी एक नहीं सुनी। करीब 15 मिनट तक भीड़ बेकाबू रही। अखिलेश के साथ राहुल ने भी हाथ उठाकर लोगों से शांत रहने की अपील की।

जब दोनों नेताओं की समर्थकों ने नहीं सुनी तो यह देखकर अखिलेश नाराज हो गए। अखिलेश उठे और मंच से जाने लगे। मंच पर मौजूद नेताओं ने अखिलेश को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह इतना नाराज हो गए कि मंच के पीछे बने हैलिपेड की तरफ चल पड़े। अखिलेश के साथ राहुल भी मंच से उतर आए। दोनों नेता रैली को संबोधित किए बिना ही मंच छोड़कर हेलिकॉप्टर से रवाना हो गए।

अखिलेश और राहुल फूलपुर से सपा प्रत्याशी अमरनाथ यादव के लिए प्रचार करने के लिए पडिला पहुंचे थे। यहां से भाजपा ने प्रवीण पटेल को उतारा है। सपा के MLC डॉ. मान सिंह यादव ने कहा- विशाल जनसैलाब को देखकर भाजपा के होश ठिकाने लग गए। इसी साजिश और उनकी मिलीभगत के तहत यहां फोर्स की व्यवस्था नहीं की गई। इस वजह से अव्यवस्था हुई।

3 नए क्रिमिनल कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में आज 3 नए आपराधिक कानूनों को लेकर सुनवाई है। सुप्रीम कोर्ट की वैकेशन बेंच में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल मामले की सुनवाई कर सकते हैं। सरकार बता चुकी है कि इन भारतीय दंड संहिता (IPC) में सुधारों के बाद ये तीनों कानून बने। तीनों कानूनों को लेकर याचिका एडवोकेट विशाल तिवारी ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि ये तीनों बिल संसद में बिना बहस के पास कर दिए गए। साथ ही उस समय ज्यादातर विपक्षी सांसद सस्पेंड थे। लोकसभा ने 21 दिसंबर 2023 को तीन बिलों भारतीय न्याय (दूसरा) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (दूसरा) संहिता और भारतीय साक्ष्य (दूसरा) संहिता बिल पास किए थे। 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन बिलों पर दस्तखत किए थे।

बेड-गद्दों में छिपाए थे 60 करोड़ के नोट

- आगरा में जूता कारोबारी के यहां इनकम टैक्स का छापा
- 10 मशीनों से नोट गिने गए

आगरा. आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। एक कारोबारी के घर से 60 करोड़ रुपए के नोट बरामद हुए हैं। ये नोट बेड, गद्दों और आलमारी में छिपाकर रखे थे। इसकी तस्वीर भी सामने आई। इसमें दिख रहा है, बेड पर नोटों की गड्डियां रखी हैं। जमीन पर रखे बैग भी नोटों से भरे हैं। इनकम टैक्स टीम हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर और ऑफिस पहुंचीं। सर्च किया, तो उनके घर में बेड और गद्दों में नोट के बंडल मिले। भारी-भरकम कैश देखकर अफसरों ने नोट गिनने के लिए बैंक से 10 मशीनें मंगाई। शनिवार शाम से अभी तक कार्रवाई चल रही है। माना जा रहा है, कैश का आंकड़ा और बढ़ सकता है। टैक्स चोरी का इनपुट मिलने के बाद आयकर की टीमों ने शनिवार को आगरा में 3 कारोबारियों के घर और ऑफिस यानी 6 ठिकानों पर छापेमारी की। टीमें एमजी रोड के बीके शूज, धाकरान के मंशु फुटवियर और हींग की मंडी के हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक के दफ्तर और घर पर एक साथ छापा मारने पहुंचीं।

जमीनों में भारी निवेश, सोने की खरीद का इनपुट

आयकर टीम को बीके शूज और मंशु फुटवियर के यहां कितना कैश मिला, इसकी जानकारी सामने नहीं आई। मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक आपस में रिश्तेदार हैं। कुछ साल में ही ये दोनों बाजार में बड़ा नाम बन गए।

वहीं, कारोबारियों के पास से जमीन में भारी निवेश, सोने की खरीद की जानकारी भी मिली है। आगरा में इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है। अफसरों ने तीनों जूता कारोबारियों के प्रतिष्ठानों से लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल जब्त कर लिए हैं। उनसे डेटा लिया गया।

रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच में कई हैरान करने वाली जानकारियां मिली हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला। आईटी टीम ने लॉक तोड़ने के लिए एक्सपर्ट से संपर्क किया है।

केजरीवाल बोले- PM ने ऑपरेशन झाड़ू लॉन्च किया

- AAP नेताओं को गिरफ्तार करेंगे, अकाउंट फ्रीज करेंगे, पार्टी दफ्तर बंद कराएंगे

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को AAP सांसदों, विधायकों और नेताओं के साथ भाजपा हेडक्वार्टर पर प्रदर्शन के लिए मार्च किया। वे दोपहर 12 बजे आम आदमी पार्टी (AAP) के ऑफिस पहुंचे और आधे घंटे बाद पार्टी नेताओं के साथ 800 मीटर दूर भाजपा हेडक्वार्टर की ओर कूच कर गए।

हालांकि प्रदर्शन किसी बड़े नेता की गिरफ्तारी के बिना करीब 1:30 बजे खत्म हो गया। पुलिस ने कुछ AAP समर्थकों को हिरासत में लिया, जिन्हें कुछ देर बाद छोड़ दिया गया।

पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। भाजपा ऑफिस के बाहर धारा 144 लगा दी गई थी। साथ ही आने-जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी। अरविंद केजरीवाल ने 18 मई को स्वाति मालीवाल से मारपीट के आरोपी अपने PA बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद वीडियो जारी कर भाजपा हेडक्वार्टर पर प्रदर्शन की घोषणा की थी।

उन्होंने आज कहा- भाजपा ने हमें खत्म करने के लिए तीन प्लान बनाए हैं, पहला- चुनाव बाद पार्टी के अकाउंट फ्रीज किए जाएंगे। दूसरा- पार्टी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार किया जाएगा। तीसरा- पार्टी दफ्तर खाली कराया जाएगा।

उधर, AAP के प्रदर्शन के बीच स्वाति मालीवाल ने पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा- कभी निर्भया के लिए इंसाफ मांगने वाले अब आरोपी (बिभव कुमार) का साथ दे रहे हैं।

धोनी की टीम का टूट गया सपना

- 4 टीमों ने शान से प्लेऑफ में ली एंट्री

आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में कौन सी 4 टीमें शिरकत करेंगी. उन सभी के नाम सामने आ गए हैं. सीजन का 68वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में आरसीबी की टीम को 18 रन के अंतर से जीत हासिल करनी थी. जहां डु प्लेसिस एंड कंपनी 27 रन से बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब रही. वहीं सीएसके की टीम को नाकामयाबी हाथ लगी है. जिसके वाद वह प्लेऑफ की रेस से पूरी तरह बाहर हो गई है.

आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम कोलकाता नाईट राइडर्स की है. मौजूदा समय में केकेआर के खाते में 19 (+1.428) अंक हैं और उसका एक मुकाबला शेष है. अगर वह अपने आखिरी मुकाबले में भी जीत हासिल करने में कामयाब रहती है तो वह 21 अंकों के साथ लीग चरण का समापन करेगी.

दूसरे स्थान पर फिलहाल राजस्थान रॉयल्स की टीम काबिज है. आरआर ने टूर्नामेंट में अबतक कुल 13 मुकाबले खेले हैं. इस बीच उसे 8 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 5 मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा है. मौजूदा समय में उसके खाते में 16 (+0.273) अंक हैं. आरआर की टीम अगर अपना आखिरी मुकाबला जीतने में कामयाब रहती है तो वह 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए लीग चरण का समापन करेगी. वहीं उसे शिकस्त मिलती है और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपने आखिरी मैच में जीत हासिल करती है तो वह दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगी. ऐसी स्थिति में आरआर की टीम तीसरे स्थान पर अपने लीग चरण का समापन करेगी.

फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपने 13 मुकाबलों में 7 जीत, 1 मैच ड्रा और 5 हार के बाद 15 (+0.406) अंक लेकर तीसरे स्थान पर काबिज है. हैदराबाद का आखिरी मुकाबला रविवार (19 मई) को पंजाब किंग्स के साथ है.

वहीं चौथी टीम के रूप में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (+0.459) ने प्लेऑफ में एंट्री ली है. बेंगलुरु लीग चरण में कुल 7 जीत हासिल करने में कामयाब रही. इसके अलावा उसे 7 मुकाबलों में शिकस्त का भी सामना करना पड़ा.

कश्मीर घूमने गए पति-पत्नी पर आतंकवादी हमला

- बस से उतरकर खाना खाने जा रहे थे, पीछे से मारी गोलियां
- आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली जिम्मेदारी

पहलगाम. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जयपुर से घूमने गए पति-पत्नी पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। यानेर इलाके के एक रिसॉर्ट में शनिवार को हुई फायरिंग में दोनों घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के जीएमसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक जयपुर की फरहा खान (35) और

उनके पति तबरेज खान (38) को बस से उतरने के बाद गोली मारी गई। शनिवार को हुए इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली है। इसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है।

कश्मीर पुलिस के अनुसार पूरा ग्रुप पहलगाम के एक रिसॉर्ट से खाना खाकर निकल रहा था। तबरेज और फराह जैसे ही बस में उतरकर रिसॉर्ट के अंदर जाने लगे उन पर पीछे से फायरिंग की गई। हमले के बाद पूरे एरिया में दहशत फैल गई और काफी देर तक गोलीबारी की आवाज आती रही। वही, आतंकी मौके से फरार हो गए। इसके बाद सुरक्षा बलों ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया और इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

50 लोगों के ग्रुप के साथ गए थे घूमने

जयपुर में रहने वाले परिजनों के मुताबिक फरहा और तबरेज जयपुर के ब्रह्मपुरी इलाके के रहने वाले हैं। तीन-चार दिन पहले जयपुर से करीब 50 लोगों का एक ग्रुप के साथ वे कश्मीर घूमने गए थे। तबरेज जयपुर में प्रॉपर्टी का काम करते हैं और फरहा हाउस वाइफ हैं। उनके साथ उनके दो छोटे बच्चे भी गए थे, वे किस हालत में हैं, फिलहाल ये पता नहीं लग पाया है। शनिवार को कश्मीर में दो हमले हुए हैं। अनंतनाग के अलावा शोपियां भी एक आतंकवादी हमला हुआ है।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल - प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ अरेस्ट वारंट

बेंगलुरु. बेंगलुरु की स्पेशल एमपीएमएलए कोर्ट ने सेक्शुअल हैरेसमेंट केस में JDS सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने शनिवार 18 मई को वारंट जारी किया। इंटरपोल ने भी प्रज्वल के नाम ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

प्रज्वल के पर तीन महिलाओं के उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज हैं। प्रज्वल 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद जर्मनी चले गए थे, तब से उनका कोई पता नहीं है।

इसी केस में उनके पिता और होलेनरासीपुरा विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। हालांकि एचडी रेवन्ना किडनैपिंग केस में जमानत पर हैं।

पोते के केस में बोले पूर्व पीएम देवगौड़ा- एक्शन से आपत्ति नहीं

पूर्व PM एचडी देवगौड़ा ने कर्नाटक सेक्स स्कैंडल को लेकर पहली बार शनिवार (18 मई) को बयान दिया। उन्होंने कहा- प्रज्वल के खिलाफ एक्शन से मुझे आपत्ति नहीं है, लेकिन रेवन्ना पर चल रहे केस उन्हें फंसाने के लिए बनाए गए हैं। देवगौड़ा ने कहा- प्रज्वल विदेश जा चुका है। कुमारस्वामी पहले ही कह चुके हैं कि सरकार कानून के हिसाब से एक्शन ले।

दिल्ली पुलिस CM हाउस पहुंची

- CCTV फुटेज और DVR कलेक्ट किए
- 5 दिन की रिमांड पर बिभव कुमार

नई दिल्ली. AAP की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट केस की जांच के लिए दिल्ली पुलिस रविवार दोपहर CM हाउस पहुंची। वहां से पुलिस ने मारपीट के समय के CCTV फुटेज और DVR कलेक्ट किए। मारपीट के आरोपी और CM अरविंद केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट बिभव कुमार को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

बिभव को CM हाउस से ही

शनिवार शाम 4:30 बजे गिरफ्तार किया गया था। देर रात उन्हें तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने बिभव की 7 दिन की कस्टडी मांगी थी। पुलिस की ओर से एडवोकेट अतुल श्रीवास्तव ने बिभव की कस्टडी पर दलीलें दीं। बिभव को 23 मई को अदालत में पेश किया जाएगा।

बिभव की गिरफ्तारी के बाद मालीवाल ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि बिभव ने उन्हें थप्पड़ और लातें मारीं। मालीवाल ने आरोप लगाया है कि बिभव ने 13 मई को सीएम हाउस में मारपीट और बदसलूकी की। उनके कपड़े तक फट गए थे। स्वाति ने 16 मई को शाम 6:15 बजे FIR करवाई थी।

घटना के दिन का पहला वीडियो

स्वाति मालीवाल से बदसलूकी और मारपीट का 17 मई की सुबह एक वीडियो सामने आया था। दावा किया गया कि वीडियो CM आवास का है। इसमें स्वाति सोफे पर बैठी दिखीं। बिभव बाहर निकले और सिक्योरिटी पर्सनल को अंदर भेजा। बिभव ने स्टाफ से कहा कि स्वाति मालीवाल को बाहर निकाला जाए।

अमित शाह बोले- Pok हमारा है और हम इसे लेकर रहेंगे

- INDI गठबंधन का सूपड़ा साफ

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- राहुल बाबा PoK हमारा है और हमेशा रहेगा। हम इसे वापस लेकर रहेंगे। आपने 70 साल तक आर्टिकल 370 बनाए रखा, लेकिन लोगों ने PM मोदी को वोट दिया और उन्होंने इसे हटा दिया।

अमित शाह ने कहा- अब तक चार चरण का चुनाव हो चुका है। चार चरण में INDI गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। पूर्ण बहुमत प्राप्त करके तेज गति से 400 की ओर आगे बढ़ने का काम पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा कर रही है।

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा- पहले दो चरणों के बाद ही मैंने कहा था कि दक्षिण भारत में भाजपा साफ और उत्तर, पश्चिम, पूर्वी भारत में हाफ होने वाली है। तीसरे और चौथे चरण में भी यही हुआ। अब तय हो गया है कि 4 तारीख को नरेंद्र मोदी निर्वतमान प्रधानमंत्री हो जाएंगे और INDIA गठबंधन की सरकार बनेगी। स्पष्ट और निर्णायक बहुमत मिलेगा। रमेश ने कहा- जिस तरह से ED, CBI, IT का दुरुपयोग मोदी सरकार द्वारा हुआ वह पहले कभी नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने खुद भाषण में कहा कि टेम्पो में काले धन की बोरी लेकर अडानी और अंबानी कांग्रेस पार्टी के दफ्तर पहुंचते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? प्रतिशोध के लिए इन संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है।

संक्षेप...

सुंदरकाण्ड पाठ व भंडारा संपन्न

ठाणे. येऊर पहाड़ी स्थित परम पूज्य स्वानंद बाबा आश्रम पर सुंदरकांड का पाठ व साप्ताहिक शनीचरी भंडारा बड़े ही धूम धाम के साथ संपन्न हुआ। यह साप्ताहिक अनुष्ठान बीते 20 साल से किया जा रहा है। इस साप्ताहिक भंडारे में बने प्रसाद का लाभ लेने येऊर के स्थानिक आदिवासी महिला, पुरुष, बच्चे भक्तों का जमावड़ा होता है। यह साप्ताहिक अनुष्ठान आश्रम के मुख्य न्यासी पंडित दुर्गा प्रसाद पाठक के मार्गदर्शन में किया जाता है। इस कार्यक्रम में गामा मिश्र, हरिश्चंद्र पाण्डेय, अशोक यादव, संतोष गुप्ता, पूजा ताई देनवलकर, श्रीधर उपाध्याय, शुभम कांबले, निशांत कांबले,मंगेश जाधव, सूरज मौर्य, मोहन, ओमकार खाटिया,अंजली खाटिया सहित अनेक भक्त उपस्थित थे।

बालासाहेब के विचारों के CM शिंदे और राज ठाकरे ही असली वारिस

■ उद्धव ठाकरे पर निशाना, ठाणे में फडणवीस बोले

ठाणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने ठाणे लोकसभा को प्रतिष्ठा की सीट बताते हुए यहां से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करने का दावा किया। उन्होंने बीजेपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 20 तारीख को अधिक से अधिक मतदान करा महायुति के गढ़ को बचाने की अपील की। शनिवार को ठाणे में महायुति के उम्मीदवार नरेश म्हस्के के प्रचार के लिए आयोजित एक बैठक में फडणवीस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे ही बालासाहेब के विचारों के असली वारिस हैं। ठाणे में वातावरण महायुति के अनुकूल है। लोगों के मन में मोदी है। इसलिए लापरवाह हुए बिना लोगों के मन के मोदी को मत पेटी में पहुंचाना होगा। फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे पर हरा रंग हावी हो रहा है। वे बालासाहेब की संपत्ति के वारिस हो सकते हैं, विचारों के नहीं। उनकी

सभा की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उन्हें गालियां देने से होती है और समापन भी गालियों से ही होती है क्योंकि उनके पास विकास के बारे में कहने को कुछ नहीं है।

'उद्धव ठाकरे भ्रमित'

फडणवीस ने कहा कि मोदी जी के शिंदे शिवसेना को असली और उनकी शिवसेना को नकली कहने से उद्धव ठाकरे को मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं। उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे अब भ्रमित हो गए हैं, वे 48 नहीं, बल्कि 51 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि आगे मनपा चुनाव होने हैं, इसलिए सब को पूरी तरह से तैयारी करनी होगी। जिसका जैसा काम होगा, वैसे ही अंक निर्धारित किए जाएंगे।

म्हस्के ने दी सफाई

ठाणे सीट से महायुति के शिवसेना (शिंदे गुट) उम्मीदवार नरेश म्हस्के ने राज ठाकरे परप्रांतीय वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि परप्रांतियों से उनका मतलब नहीं बांग्लादेशियों पर रोक लगाना है। उनके प्रति लोगों में गलतफहमी पैदा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले के सीएम के कार्यकाल में कई काम बंद हो गए थे, लेकिन एकनाथ शिंदे के सीएम बनने के बाद काम शुरू हुए और उनकी गति भी बढ़ी।

मुंबई के दादर इलाके में होगा बम विस्फोट

■ पुलिस कंट्रोल रूम में आई कॉल

मुंबई. मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा कॉल मिला है। जिसमें कहा गया है कि मुंबई के दादर इलाके के मैकडोनाल्ड में बम से उड़ा दिया जाएगा। अज्ञात शख्स की ओर से फोन कॉल के जरिए धमाके की धमकी देने की सूचना के बाद सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। पुलिस के मुताबिक कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि दादर इलाके में स्थित मेकडोनल्ड में धमाका होगा।

मुंबई पुलिस को फोन करने वाले शख्स ने बताया कि वो जिस समय बेस्ट की बस नंबर 351 में सफर कर रहा था। उसी दौरान उसने दो लोगों को मैकडॉनल्ड को उड़ाने की बात करते सुना है। इस कॉल के बाद मुंबई पुलिस जांच और छानबीन में जुट गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। इस कॉल के बाद मुंबई पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। अभी तक मुंबई पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। फिलहाल मुंबई पुलिस को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। इसके साथ ही किसी भी संदेहास्पद वस्तु मिलने या किसी भी तरह की अनहोनी की सूचना या फोन को गंभीरता से लेने का आदेश जारी किया गया है। इसके अलावा, मुंबई पुलिस फोन कॉल को लेकर आगे की जांच में जुटी हुई है। हालांकि, मुंबई पुलिस के लिए यह कोई नई बात नहीं है। मुंबई में धमकी भरे कॉल आते रहते हैं।

नशीली दवा सुंघाकर चलती ट्रेन में किया दुष्कर्म

■ FIR में लगे 39 दिन

ठाणे. ग्वालियर में रहने वाली 26 वर्षीय युवती से चलती ट्रेन में दुष्कर्म हुआ है। यह घटना 10 मार्च को मुम्बई के ठाणे से लोकमान्य टर्मिनल स्टेशन छोड़ने के बाद और ठाणे स्टेशन के पहुंचने के बीच करीब 40 मिनट में हुई है। युवती ने पहले ग्वालियर आकर मामला दर्ज कराना चाहा, लेकिन स्थानीय पुलिस नहीं सुनी तो पीड़िता ने जीआरपी में शिकायत की।

यहां भी सुनवाई नहीं होने पर एसपी रेलवे भोपाल को सूचना दी। इसके बाद जीआरपी ग्वालियर ने शून्य पर मामला दर्ज कर केस डायरी को घटनाक्रम ठाणे का होने पर ठाणे जीआरपी के पास भेजा है। अब ठाणे में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ग्वालियर की रहने वाली युवती 10 मार्च को उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस के BI-1 AC कोच में यात्रा कर रही थी। ट्रेन में यात्रा के दौरान उसे किसी अज्ञात युवक ने कुछ नशीला

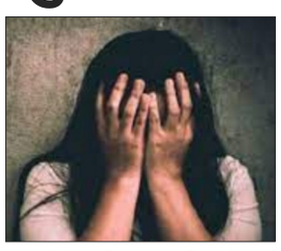

पदार्थ सुंघा दिया था, जिससे वह बेहोश हो गई। उस समय रात का टाइम था। जब उसे होश आया तो ठाणे (मुम्बई) स्टेशन आ चुका था। वह काफी बदहवास थी और उसे पता चल चुका था कि उसके साथ कुछ गलत हुआ है। उसके प्राइवेट पार्ट में दर्द हो रहा था। इसके बाद वह किसी तरह ग्वालियर पहुंची। यहां उसने घटना के दर्द से उबरने के बाद ग्वालियर पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत करना चाही, लेकिन उसकी शिकायत नहीं सुनी गई।

ठाणे GRP कर रही जांच

इस मामले में जब स्थानीय पुलिस से बात नहीं बनी तो पीड़ित युवती ने जीआरपी ग्वालियर पहुंचकर शिकायत करना चाही, लेकिन घटना के इतने दिन बाद आना और घटनाक्रम मुम्बई के ठाणे का बताने पर जीआरपी ने भी उसे गंभीरता से नहीं लिया। आखिर में युवती ने मामले को एसपी रेलवे भोपाल के संज्ञान में डाला तो जीआरपी ने घटना के 39 दिन बाद इस मामले में शून्य पर मामला दर्ज कर केस डायरी घटनाक्रम ठाणे का होने पर ठाणे जीआरपी को भेज दिया। अब ठाणे जीआरपी ने मामला अपने यहां दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसमें ठाणे की सीनियर इंस्पेक्टर अर्चना ने कहा कि घटना के 39 दिन बाद जीआरपी ग्वालियर ने मामला दर्ज कर केस डायरी भेजी है। यहां ठाणे में विस्तृत जांच की जा रही है।

ठाणे पुलिस अब खंगाले की आरक्षण चार्ट

ठाणे पुलिस का कहना है कि घटना के 10 मार्च की है तो लोकमान्य तिलक टर्मिनल से CCTV फुटेज या ठाणे से स्टेशन से CCTV मिलना संभव ही नहीं है। इस कारण अब पुलिस घटना के दिन तुलसी एक्सप्रेस और उसी समय पर स्टेशन छोड़ने वाली दो अन्य ट्रेनों के आरक्षक चार्ट खंगालेगी, जिससे सही स्थिति का पत चल सके कि युवती किस कोच में थी और उसके पास की सीट पर कौन-कौन कहां तक सफर कर रहे थे।

लोकेशन व कॉल डिटेल भी खंगालेगी

पुलिस अब इसमें मोबाइल कॉल डिटेल व लोकेशन को भी जांच का आधार बनाएगी। कॉल डिटेल से कहां कहां बात की और उस दौरान उस इलाके में कितने मोबाइल फोन एक्टिव थे। पीड़िता का मोबाइल भी उस समय एक्टिव था या नहीं।

जीआरपी थाना प्रभारी डीडी पांडे ने बताया कि एसपी रेलवे के आदेश के बाद एक पीड़ित युवती की शिकायत पर शून्य पर मामला दर्ज किया गया था। घटनाक्रम मुम्बई का होने पर केस डायरी जांच के लिए भेजी गई है।

23 मई को टोरेंट पावर का ग्राहक संवाद

भिवंडी. टोरेंट पावर कंपनी द्वारा बिजली ग्राहकों की शिकायतों के निदान के लिए आगामी गुरुवार 23 मई को ग्राहक संवाद कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10.30 से 4.30 तक आम पाड़ा स्थित अर्श ग्राहक सुविधा सेंटर में किया गया है. टोरेंट पावर जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने ग्राहकों से संवाद कार्यक्रम में पधारकर।अधिकारियों की टीम से चर्चा कर बिजली संबंधित प्रलंबित तमाम समस्याओं के निदान की अपील की है.

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला शव

नवी मुंबई. पनवेल शहर की कातकरवाड़ी में रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव मिलने का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 35 साल है. मृतक के पास से शिनाख्त करने जैसी कोई चीज नहीं मिली है, उसके रिश्तेदारों की तलाश जारी है. उप-निरीक्षक सचिन वायकर इस मामले की छानबीन कर रहे हैं.

घाटकोपर होर्डिंग हादसे के बाद जागा भिवंडी मनपा प्रशासन

■ होर्डिंग को लेकर हुई बैठक

भिवंडी. 13 मई शाम को घाटकोपर में हुए होर्डिंग हादसे के बाद मनपा प्रशासन भी हरकत में आया है.भिवंडी में भी कई जगहों पर लगे भारी भरकम होर्डिंग से ऐसा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता है. घाटकोपर में हुए हादसे को बेहद गंभीरता से लेते हुए मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य ने संबंधित अधिकारियों की बुलाई बैठक में संभावित हादसों को टालने के लिए जरूरी उपाय किए जाने के निर्देश दिए है अन्यथा नियमों के तहत सख्त एक्शन की चेतावनी दी है.

अधिकारियों की बैठक में आयुक्त अजय वैद्य ने कहा कि आगामी समय में तूफानी हवाओं और भारी बारिश की घटना को ध्यान में रखते हुए आपदा की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है.

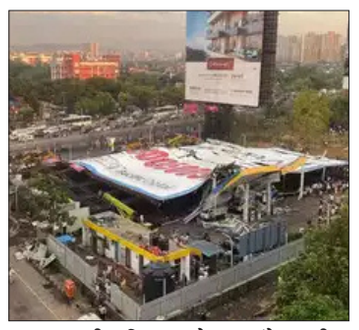

आपातकालीन विभाग को 24 घंटे अलर्ट रहना है.उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों के किनारे लगे बड़े होर्डिंग्स का रचनात्मक निरीक्षण करने करें और सुनिश्चित करें कि यह मजबूत है अथवा नहीं.मनपा क्षेत्र में कुल होर्डिंग की संख्या, उनका आकार,मंजूरी आदि की रिपोर्ट तैयार की जाए.अवैध रूप से लगाये गये होर्डिंग पर आर्थिक दंडात्मक कार्रवाई करें.बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके,उपायुक्त मुख्यालय एवम अतिक्रमण नयना ससाणे,नगर रचनाकर अनिल येलमाने के आलावा सभी प्रभाग अधिकारी,शहर विकास अधिकारी लाइसेंस विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित हुए थे.

बता दें कि एसटी बस डिपो,शिवाजी चौक,बंजार पट्टी नाका,राजनोली नाका सहित कई स्थानों पर अवैध होर्डिंग लगाए जाने के बाद भी परवाना विभाग अपने आर्थिक फायदे की खातिर कोई एक्शन नहीं लेता है.एस टी स्टैंड पर लगे हुए होर्डिंग बेहद खराब दशा में हैं. होर्डिंग जर्जर होने के बाद भी भ्रष्ट अधिकारी की वजह से निकाला नहीं गया है.अवैध होर्डिंग से मनपा राजस्व का करोड़ों रुपया डूब गया है.मनपा अधिकारियों की मनमानी,लापरवाही की वजह से तेज आंधी तूफान,बारिश के दौरान भिवंडी में भी घाटकोपर जैसा दर्दनाक हादसा घटित होने से इंकार नहीं किया जा सकता है.

शिव परिवार की ओर से सुंदरकांड व वेद माता गायत्री की पूजा अर्चना का भव्य आयोजन

ठाणे. शिवपरिवार की ओर से पिछले कुछ सालों से संस्था के अध्यक्ष एडोकेट विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में वेदमाता गायत्री व सुंदरकांड पाठ का आयोजन सप्ताह के हर शनिवार को किया जाता है।सुंदरकांड व गायत्री पूजा करने से मनुष्य के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव होने लगता है।इस बार सुंदरकांड व गायत्री पूजा की आयोजिका स्वर्गीय कर्मवीर तेज तर्रार नेता रामनयन यादव की धर्मपत्नी पूर्व नगरसेविका केवला देवी,गीता यादव,रुक्मिणी पटेल थी।इस धार्मिक आयोजन में

उपस्थित भक्तगण संगीतमय सुंदरकांड व गायत्री पूजा का श्रवण कर मंत्रमुग्ध हो गये।इस अवसर पर संस्कार क्लासेस की संचालिका लक्ष्मी मौर्या, एडवोकेट शिक्षा यादव,जया विश्वकर्मा, आशीष सिंह, अनिता अशोक मिश्रा, साधना पाण्डेय,सरिता दलाई, नीलम प्रजापति,सीमा विश्वकर्मा आदि उपस्थित रही।

आयुक्त ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

कल्याण. कल्याण डोंबिवली मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने रविवार को कल्याण के जाईबाई स्कूल, मॉडर्न कॉलेज, राजभर स्कूल और अन्य मतदान केंद्रों का दौरा कर वहां की मतदान संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया,

मतदान केंद्र में मुख्य रूप से मतदान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मतदाताओं के लिए स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था, इसी प्रकार मतदान केंद्र के बाहर धूप की तीव्रता को देखते हुए मतदान केंद्र में एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था, पेयजल मंडप की व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप और व्हीलचेयर की व्यवस्था और

मतदान केंद्र के आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया गया,आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने आश्वासन दिया कि सभी मतदान केंद्र मतदाताओं के लिए तैयार हैं, आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने भी मनपा क्षेत्र के नागरिकों से मतदान करने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की. इस अवसर पर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त मंगेश चितले, उपायुक्त धैर्यशील जाधव, विभाग प्रमुख (सूचना एवं जनसंपर्क) संजय जाधव, कार्यकारी अभियंता जगदीश कोरे, डी वार्ड के सहायक आयुक्त धनंजय थोराट उपस्थित थे.

कंटेनर दुर्घटनाग्रस्त - ड्राइवर घायल

ठाणे. नासिक -मुंबई हाईवे पर चलते समय शनिवार की रात लगभग डेढ़ बजे ठाणे माजीवाड़ा ब्रिज पर एक कंटेनर ड्राइवर का नियंत्रण छूट गया और वह सामने वाले वाहन को टक्कर मार दिया जिससे बड़ी दुर्घटना हुई है. इस हादसे में कंटेनर ड्राइवर जक्रिया इस्लाम गंभीर घायल हो गया. दुर्घटना उस समय हुई जब कंटेनर नासिक ठाणे हाईवे से पडघा होते हुए मीरा भयंदर जा रहा था.तभी माजीवाड़ा ब्रिज पर ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और सामने चल रहे वाहन को टक्कर मार दिया.इस टक्कर से ब्रिज पर कंटेनर से तेल फैल गया और यातायात प्रभावित हो गया. इस हादसे में ड्राइवर जक्रिया इस्लाम कंटेनर में फंस गया. मौके पर ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने उसको बाहर निकाला और इलाज के लिए ठाणे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया.

सूत्रों ने बताया कि उसके दोनों पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गये,जबकि उक्त टाटा कंटेनर में फ्लिपकार्ट कंपनी का तीन टन सामान लदा था. दुर्घटना के बाद नासिक-मुंबई हाइवे,मजीवाडा ब्रिज पर यातायात एक लेन धीमी गति से चल रहा था.उक्त दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को ट्रॉफिक पुलिस कर्मियों ने हाइड्रा मशीन की मदद से सड़क के किनारे किया. ट्रैफिक पुलिस और आपदा प्रबंधन कर्मियों ने सड़क पर फैले तेल पर मिट्टी बिछाई.

पोर्न साइड पर अपलोड हुई थी जाह्नवी की तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। जाह्नवी की ये फिल्म क्रिकेट पर बेस्ड हैं। इस मूवी में उनके साथ एक्टर राजकुमार राव लीड रोल में हैं। पर्दे पर दोनों को फिर से एक साथ देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। इन दिनों दोनों स्टार फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इसी बीच अब जाह्नवी ने 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के निर्माता करण जौहर के साथ बातचीत की, जो धर्मा प्रोडक्शंस के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर मौजूद है। हुई। इस दौरान जाह्नवी ने छोटी सी उम्र में 'सेक्सुअलाइज्ड' होने के बारे में खुलासा किया, जा बेहद हैरान करने वाला था।

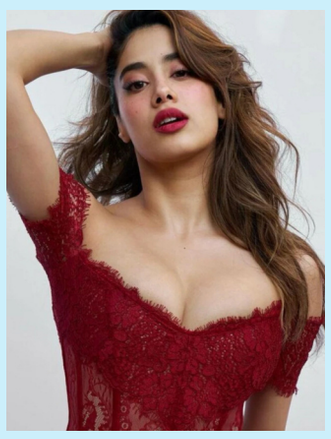

जाह्नवी कपूर ने करण जौहर संग बात चीत में खुद को लेकर हैरान करने वाली बात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब वो महज 12-13 की थी तब वो सेक्शुअलाइज हुई थीं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि यह भी एक ऐसा पहलू है जिस पर मैं लंबे समय से ध्यान दे रही हूं। मुझे लगता है कि जब मैं 12-13 साल की थी तब पहली बार मुझे मीडिया द्वारा सेक्शुअलाइज फील हुआ था। जब मैं अपने माता-पिता के साथ एक कार्यक्रम में गई थी, जहां पैपराजी ने गलत तरीके से उनकी फोटोज ली थीं। इसके बाद वो तस्वीरों पोर्न (एडल्ट साइड) पर मौजद थीं। वहीं, स्कूल के लड़के मेरी उन फोटोज को देखकर मेरा उनका मजाक उड़ाते थे।'

जाह्नवी ने आगे कहा, 'ये बहुत अजीब था मेरे लिए इए परिस्थिती से निकलना बहुत मुश्किल था। मैं लंबे समय से इस तरह की निगेटिव चीजों को देखा है। मैं फिर भी इस चीज से उबरी। मुझे यकीन है कि और लोग भी इससे निपट लेंगे। मैं अब भी सोचती हूं कि जिस तरह से मैं इसे समझा रही हूं और इसके बारे में मेरे अनुभव किया मैं बहुत सौभाग्यशाली हैं।

रायबरेली, अमेठी चुनाव प्रचार दौरे के बाद बोले कांग्रेस महासचिव मु.तारिक फारूकी

मतदाता करेंगे भाजपा की जमानत जब्त

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. यूपी स्थित रायबरेली, अमेठी लोकसभा चुनाव प्रचार दौरे से भिवंडी वापस लौटे प्रदेश कांग्रेस महासचिव मु.तारिक फारूकी ने बताया कि, समूचे प्रदेश में ईडी महागठबंधन के पक्ष में भारी आंधी चल रही है. प्रदेश की जनता भाजपा की केंद्र एवम राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों सहित बेरोजगारी, महंगाई से पूर्णतया थक चुकी है.जनता प्रधानमंत्री मोदी के झूठ से निजात चाहती है.लोगों में कांग्रेस को लेकर भारी उत्साह है.आज होने वाले लोकसभा चुनाव में रायबरेली से कांग्रेस वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एवम अमेठी से किशोरीलाल शर्मा रिकार्ड मतों से जीत दर्ज कर संसद जाएंगे.

गौरतलब हो कि, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस महासचिव मु.तारिक

फारूकी एवम भिवंडी कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार फड़तरे यूपी स्थित रायबरेली,अमेठी में चुनाव प्रचार के लिए गए थे.प्रदेश कांग्रेस महासचिव मु.तारिक फारूकी ने बताया कि, रायबरेली लोकसभा से कांग्रेस पूर्व सांसद राहुल गांधी चुनावी मैदान में हैं.

रायबरेली से कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 10 वर्षों तक सांसद रहकर विकास के अनगिनत कार्य किए हैं. रायबरेली से कांग्रेस समर्थकों की फौज ने राहुल गांधी को करीब 5 लाख वोटों से जिताने का संकल्प लिया है. अमेठी से कांग्रेस के बेहद वफादार किशोरीलाल शर्मा को उतारा गया है.वे भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को निश्चित पराजित कर अमेठी सीट को प्रचंड मतों से जीतकर फिर से कांग्रेस की झोली में डालेंगे.कांग्रेस महासचिव मु.तारिक फारूकी, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार फड़तरे ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान अमेठी स्थित जगदीशपुर इन्हौना में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ प्रत्याशी किशोरीलाल शर्मा की विशाल रैली में शामिल हुए.वे रायबरेली स्थित हरचंदपुर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव, यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय, पूर्व विधायक नदीम जावेद के साथ प्रचार जनसभा में शिरकत कर कांग्रेस के लिए मतदाताओं से समर्थन की अपील की. हरचंदपुर की जनसभा के पश्चात जगतपुर में कांग्रेस फायरब्रांड लीडर प्रियंका गांधी की जनसभा में शिरकत कर वोटरों से राहुल गांधी को प्रचंड मतों से जिताने की अपील की. कांग्रेस महासचिव फारूकी ने महाराष्ट्र में खड़े महागठबंधन उम्मीदवारों के चुनावी परिदृश्य से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को अवगत कराया.

बिजली कर्मचारियों की लापरवाही से युवक घायल

उल्हासनगर. बिजली विभाग द्वारा कैंप 1 में गोल मैदान परिसर में निरंकारी भवन के सामने आगामी मानसून को देखते हुए पेड़ों की छंटाई की जा रही थी जिससे मानसून के दौरान बिजली की कोई बाधा उत्पन्न न हो इसी दौरान कटाई करते समय तार के साथ बिजली का उपकरण टूट कर एक युवक के ऊपर गिर गया जिससे वह जख्मी हो गया।

उपरोक्त जगह पर पेशे से रिक्शा चालक सुरेश रतन सौदागर

खड़ा था तभी तार के साथ उपकरण उसके सिर पर गिर गया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई और तेज रक्तस्राव होने लगा। उसे न ज दी की अस्पताल में ले जाया गया जहां से उसे सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसके सिर में छह से सात टांके आए हैं। कर्मचारियों की लापरवाही की शिकायत के लिए जब सुरेश उल्हासनगर पुलिस में गया तो उसे वहां से भगा दिया गया और एमएसईबी विभाग में बात करने को कहा गया।

जब रतन सौदागर एमएसईबी के कार्यालय में गया तो वहां उसे कहा गया कि उनकी शिकायत को वह अपने वरिष्ठों तक पहुंचा देंगे और तत्काल वह कोई आश्वासन देने में अक्षम हैं। रतन सौदागर का कहना है कि वह घर मे एकलौता कमाने वाला है और रिक्शा चलकर जीवनयापन करता है, इस हादसे से उसका नुकसान हुआ है जिसकी उसे भरपाई चाहिए।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099